

श्री जी.सी. अग्रवाल पश्चिम रेलवे के नये महाप्रबंधक

भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री जी.सी. अग्रवाल ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का कार्यभार मंगलवार, 7 जुलाई, 2015 को ग्रहण कर लिया। श्री अग्रवाल ने 1979 में मध्य रेल में प्रथम नियुक्ति के जरिये भारतीय रेल सेवा में प्रवेश किया। श्री अग्रवाल को भारतीय रेल प्रणाली के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कुशल कार्य निर्वहन का समृद्ध अनुभव हासिल है, जिनमें अपर मंडल रेल प्रबंधक-कटिहार, मंडल रेल प्रबंधक-जोधपुर तथा मुख्य यांत्रिक इंजीनियर-पश्चिम मध्य रेलवे एवं रेल कोच फैक्टरी-कपूरथला के पद मुख्य रूप से शामिल हैं। आपने



★ श्री जी.सी.अग्रवाल
महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे

आरडीएसओ-लखनऊ, डीएलडब्ल्यू-वाराणसी एवं आईसीएफ-चेन्नई में विभिन्न अहम पदों को भी सुशोभित किया है। आप विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण के लिए अमेरिका, जर्मनी एवं जापान सहित कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद पर अपनी नियुक्ति से पूर्व श्री अग्रवाल रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में सलाहकार (यांत्रिक इंजीनियरी) के पद पर कार्यरत थे।

‘रेल दर्पण’ परिवार पश्चिम रेलवे के मुखिया के रूप में महाप्रबंधक महोदय श्री जी.सी.अग्रवाल तथा अन्य सभी नवनियुक्त वरिष्ठ रेल प्रशासकों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता है।

महाप्रबंधक महोदय का शुभकामना संदेश

प्रिय पाठकों,

देश की पहली 15 डिब्बा लोकल ट्रेन चलाने तथा पहली नैरोगेज प्रणाली की स्थापना करने का श्रेय रखने के साथ-साथ विश्व की पहली लेडीज स्पेशल लोकल ट्रेन चलाने एवं क्षेत्रीय रेलों के अंतर्गत पहली वेबसाइट शुरू करने सहित अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कर विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी रहने वाली पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का कार्यभार ग्रहण कर मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। इस शानदार क्षेत्रीय रेलवे का मुखिया बनकर आप जैसे प्रतिभावान, कर्मठ एवं परिश्रमी रेलकर्मियों को अपनी टीम में पाना मेरे लिए सचमुच गौरवशाली एहसास है। उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, बेहतर यात्री सेवाओं एवं सुविधाओं तथा आधुनिकतम प्रौद्योगिकी के जरिये अपनी रेल प्रणाली को निरंतर प्रोन्नत करने में पश्चिम रेलवे हमेशा अव्वल रही है, जिसकी बदौलत इसकी गणना भारतीय रेल प्रणाली की सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय रेलों में की जाती रही है। मुझे खुशी है कि हरदम अव्वल रहने का यह सिलसिला इस वर्ष भी विभिन्न क्षेत्रों में जारी है। खेलकूद के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान का प्रतीक माना जाने वाला कौल स्वर्ण कप इस वर्ष लगातार 23 वीं बार जीतकर पश्चिम रेलवे ने एक अद्भुत कीर्तिमान स्थापित किया है, वहीं नॉन गवर्नमेंटल रेलवे (NGR) योजना के अंतर्गत देश की पहली नई NGR रेल लाइन गांधीधाम और टूना-टेकरा के बीच बिछाने का काम रिकॉर्ड समय में पूरा करने की अहम उपलब्धि भी पश्चिम रेलवे द्वारा हासिल की गई है।

कीर्तिमानी सफलताओं की यह शृंखला सृजनात्मक स्तर पर भी लगातार जारी रही है और ‘एसोसिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया’ (ए बी सी आई) द्वारा सृजनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रति वर्ष दिये जाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कारों में से 5 अहम पुरस्कार हासिल कर पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर अपनी रचनात्मक श्रेष्ठता साबित की है। इस वर्ष प्रदान किये गये इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से दो राष्ट्रीय पुरस्कार पश्चिम रेलवे की लोकप्रिय गृह पत्रिका ‘रेल दर्पण’ को मिले हैं। लगातार 12 वें वर्ष मिले इन महत्वपूर्ण पुरस्कारों के साथ ‘रेल दर्पण’ पत्रिका पिछले 15 वर्षों में 35 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुकी है, जिनमें महामहिम राष्ट्रपति के



हाथों वर्ष 2011 में मिला देश की सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका का केन्द्रीय राजभाषा निदेशालय द्वारा दिया जाने वाला सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार भी शामिल है। यह एक सुखद संयोग है कि इस बार मुझे पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में जब इस लोकप्रिय और प्रतिष्ठित पत्रिका ‘रेल दर्पण’ का संरक्षक बनने का सौभाग्य मिला है, तो यह गृह पत्रिका अपने 25 वें अंक के रूप में एक अहम पड़ाव हासिल करने जा रही है। रजत जयंती अंक के इस यादगार अवसर पर ‘रेल दर्पण’ के प्रधान सम्पादक और उनकी समूची

सम्पादकीय टीम के साथ इस लब्ध प्रतिष्ठित पत्रिका के समस्त रचनाकारों और आप सभी प्रबुद्ध पाठकों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। इस सर्वश्रेष्ठ पत्रिका के पिछले कुछ अंकों का अवलोकन करने पर इसकी उच्चस्तरीय मुद्रण गुणवत्ता और पठनीय एवं सुरुचिपूर्ण सामग्री का आकर्षक प्रस्तुतीकरण सचमुच प्रभावित करता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस पत्रिका के जरिये जहाँ एक ओर देश के लब्ध प्रतिष्ठित कवियों एवं लेखकों की प्रभावशाली रचनाओं से हम लाभान्वित होते हैं, वहीं यह पत्रिका रेल परिवार के उदीयमान रचनाकारों को भी अपना हुनर दिखाने और वैचारिक अभिव्यक्ति का सशक्त मंच प्रदान करती है।

मुझे विश्वास है कि ‘रेल दर्पण’ की सम्पादकीय टीम उत्कृष्ट गुणवत्ता का अपना सफ़र भविष्य में भी जारी रखेगी और प्रतिष्ठित पुरस्कारों की संख्या में निरंतर श्रीवृद्धि सुनिश्चित करेगी। अंत में आप सभी को ‘रेल दर्पण’ के रजत जयंती अंक की हार्दिक बधाई देते हुए मैं ‘रेल दर्पण’ की निरंतर सफलता और सभी के सुखद भविष्य के लिए अपनी ओर से मंगल कामनाएँ प्रकट करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभाकांक्षी,

(जी. सी. अग्रवाल)

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे